जून 2017

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

9 व्यक्ति की पराजय काम से नहीं चिंता से होती है

विशेष स्तम्भ

10 समसामयिक सामान्य ज्ञान
15 आर्थिक परिदृश्य
21 राष्ट्रीय परिदृश्य
26 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
31 क्रीड़ा जगत्
33 भारत की विविध पारम्परिक नाट्य शैलियाँ
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 युवा प्रतिभाएं
39 सारभूत तत्व कोष
43 विज्ञान समाचार

लेख

45 समसामयिक लेख—वर्तमान शिक्षा में योग का महत्व
46 पर्यावरण लेख—जीव-जन्तुओं के विलुप्त होने के अनेक कारण हैं
48 विधि लेख—मौलिक अधिकार
50 कृषि लेख—भारत में हरित क्रांति का प्रादुर्भाव एवं इसके लाभ
53 गणितीय लेख—संख्या पद्धति
58 **वॉच टेबिल टेस्ट**—आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड, सहायक स्टेशन मास्टर परीक्षा मनोवैज्ञानिक एवं अभिरुचि परीक्षण हेतु विशेष हल प्रश्न

हल प्रश्न-पत्र

62 रेलवे भर्ती बोर्ड नॉन-टेक्निकल (एन.टी.पी.सी.) परीक्षा, 2016
70 मध्य प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस परीक्षा, 2016
75 झारखण्ड एस.एस.सी. स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2016
85 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2016 प्रथम प्रश्न-पत्र
99 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकेण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2016
106 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2016
114 हरियाणा एस.एस.सी. क्लर्क परीक्षा, 2016
119 आगामी नर्सिंग प्रतियोगिता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

विविध/सामान्य

125 वार्षिक रिपोर्ट 2016-17—सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में अनुसंधान, विकास तथा नई तकनीकें : नई ऊँचाइयों की ओर
128 ज्ञान वृद्धि कीजिए
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

व्यक्ति की पराजय काम से नहीं चिंता से होती है।

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

आत्मविश्वास एवं उच्चतम स्तर की महत्वाकांक्षाएं पराजय को विजय में बदल देती हैं.

बाल्यकाल से हमें सिखाया गया है कि–

'Work is Worship.' कर्म ही पूजा है.

किन्तु फिर भी आज तक हमें अपने कर्म को पूजा बनाना नहीं आया. अगर आया होता तो इतना सुन्दर जीवन यों ही बदसूरत न होता. जिसे देखो उसके चेहरे पर तनाव है, ताज़गी नहीं. थकान है, उल्लास नहीं. बोझ है, सूझबूझ नहीं. शिकायतों का अम्बार है, प्रसन्नता का महासागर नहीं. चाहे वह विद्यार्थी हो या शिक्षक, व्यवसायी हो या कार्यकर्ता गृहस्थ दायित्वों से बोझिल महिला हो या कामकाजी महिला–

हर कोई अपने कार्यक्षेत्र को लेकर ऐसा कहता हुआ मिलता है–

- क्या बोरिंग (Boring) जॉब है.
- इस काम-धन्धे में रखा क्या है, कमाई कम चिन्ता ज्यादा?
- पढ़-पढ़ के भी क्या हासिल कर लिया?
- इस तरह की (Life) भगवान् किसी को न दें.
- और भी न जाने लोग क्या-क्या कहते चले जाते हैं.

हम देखें, क्या वाकई 'काम' उबाऊ, तनावदायी या थकान भरा होता है या हमारा दृष्टिकोण.

आप सभी एकमत से कहेंगे कि हमारा अपना रवैया (Attitude) ही हमें कार्यों के प्रति ऐसे विचार व भाव प्रकट करवाता है. जी हाँ, Attitude makes difference.

अगर कोई व्यक्ति जीतता है, सफल होता है, सितारे बुलंद करता है तब भी वही काम होता है और हारता है खीझता है, परास्त होता है तब भी वही कार्यक्षेत्र होता है. महत्व-पूर्ण काम नहीं, काम के प्रति अपनी सोच है.

किसी ने सच ही कहा है कि–

व्यक्ति की पराजय काम से नहीं चिन्ता से होती है.

'चिन्ता' नकारात्मक अहसास का वह गहरा रूप है जो हमारे भीतर के आत्म-विश्वास को गहरी खाईयों में धकेलकर खुद उस पर आसन जमा लेता है. चिन्ता यानि चिता, जो जीवित को मृतवत् बना देती है, उसकी आसीम योग्यताओं को जला डालती है. 'चिन्ता' ! अक्सर हमारे निकट के लोगों द्वारा हम पर अविश्वास प्रकट करने का परिणाम होता है. चिन्ता, धैर्य व विवेक के अभाव का लक्षण है. 'चिन्ता' मानसिक सृजनात्मकता को नष्ट करने वाला घुन है, जो इंसान को भीतर ही भीतर खोखला बना देता है. चिंतित चेहरा डाली पर लगे उस मुरझे फूल की तरह होता है जो अन्य जीवन्त कुसुमों को भी मृत्यु की राह का संदेश सुनाते रहते हैं.